गुरु जी जीवन-जहजवा भव से दिहिं उतार

हाँथ जोड़ के विनती करीं,अर्जी सुनी हमार,
गुरु जी जीवन-जहजवा भव से दिहिं उतार |

रउरा चरनिया में सब सुख पाईं,
रउरा भरोसे हम जिंदगी बिताईं |
रखले रहम अपना शरणिया,ना देहम बिसार,
गुरु जी जीवन-जहजवा भव से दिहिं उतार |

दर्शन राउर पाके गुरूजी अँखियाँ जुड़ाला,
भागे ला अन्हरिया,अंदर अंजोर होई जाला |
रउरे किरपा से हम देखनी अंदर में भगवान,
गुरु जी जीवन-जहजवा भव से दिहिं उतार |

हाँथ जोड़ के विनती करीं,अर्जी सुनी हमार,
गुरु जी जीवन-जहजवा भव से दिहिं उतार |

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/1172/title/guruji-jeevan-jahajwa-bhav-se-dihin-utaar-gurudev-bhajan-with-lyrics

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |